कौन नगर चला आया है रे मनवा | By Sanjay Chauhan |

कौन नगर चला आया है रे मनवा
कौन नगर चला आया है रे मनवा
ये वो नहीं रे डगर यहाँ राम जी नजर
नहीं आवन है आवन है

ऐ मनवा जरा इतना बता दे
कहाँ है भला ई का गाँव हो
जिसमें बुराई की बातें ना हो
सच की मिले जहाँ छाँव हो
ऐसा नगर कहाँ इस धरती पर
चैन जहाँ आराम हो
सच दुनिया में नहीं मिलता रे मनवा
ये वो नहीं रे डगर यहाँ राम जी नजर
नहीं आवन है आवन है

ऐ मनवा है वो कौन नगर जहाँ
सुख पावे इंसान हो
दुख सबसे जहाँ दूर रहे और
सबको मिले सम्मान हो
सुख की गलियाँ जिसमें दुख की
एक भी ना हो ठाँव हो
दुख मिल सुख जहाँ मिलता हो मनवा
ये वो नहीं रे डगर यहाँ राम जी नजर
नहीं आवन है आवन है

ऐ मनवा सुनता हूँ जगत में
कर्म बड़ा ही महान है
सब्र का फल मीठा होता
कहता हर इंसान है
सत कर्मों के पथ पर चलकर
मिलता जहाँ भगवान हो
सच के नगर लेके चल मेरे मनवा
ये वो नहीं रे डगर यहाँ राम जी नजर
नहीं आवन है आवन है
ये वो नहीं रे डगर यहाँ राम जी नजर
नहीं आवन है आवन है

ऐ मनवा जरा इतना बता दे
पैसा बड़ा या भगवान हो
छोड़ा प्रभु को पैसे के पीछे
भागे क्यों इंसान हो
पैसा आनी जानी वस्तु
सबसे बड़ा भगवान हो
प्रभु की कृपा से तर जाएगी रे नैया
ये वो नहीं रे डगर यहाँ राम जी नजर
नहीं आवन है आवन है

कौन नगर चला आया है रे मनवा
कौन नगर चला आया है रे मनवा
ये वो नहीं रे डगर यहाँ राम जी नजर
नहीं आवन है आवन है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%8c%e0%a4%a8-%e0%a4%a8%e0%a4%97%e0%a4%b0-%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%a8%e0%a4%b5%e0%a4%be-by-sanjay-c/